सरगम 5

पाठ 1. पंथ की पहचान

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में निर्णय-क्षमता संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे महत्वपूर्ण मुद्दों को समझकर उनसे रचनात्मक रूप से निपटने में सक्षम हो सकें। जीवन की राहों में कष्ट भी आते हैं और सुख भी। इस सफ़र को हर यात्री ने तय करना है। यह सफ़र खुशी-खुशी, सफलता के साथ कैसे पूरा हो सकता है, यही सब बताया गया है इस कविता में।

पाठ का सार

जीवन के बारे में किताबों में बहुत सारी बातें बताई गई हैं। जीवन को ऐसे जीना ठीक है या ऐसे जीना गलत है। लेकिन, बच्चन जी कहते हैं कि कोई भी किताब अब तक जिए गए जीवन के बारे में तो फिर भी कुछ कह सकती है लेकिन जो जीवन अभी अनजाना है, उसके बारे में पहले से कैसे कुछ कहा जा सकता है!

कुछ लोग हैं जिन्होंने इस जीवन में कुछ बड़े और नये काम किए हैं। उन महान स्त्री-पुरुषों की ज़िंदगी से ज़रूर कुछ सीखा जा सकता है।

केवल यह सोचते रह जाने से कि यह काम अच्छा है कि नहीं? ऐसे तो समय को हम बेकार में गँवाते ही हैं।

जीवन की राह अनिश्चित संकटों, चुनौतियों और अनजाने सुखों से भरी है। यह जीवन हम सबको सीमित समय के लिए ही मिला है। इसलिए, कवि की बात मानकर इस पथ पर उम्मीद, हिम्मत और समझ के साथ कदम बढ़ाते जाना है।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  कविता का ओजपूर्ण भाव से वाचन करें। बच्चों को जोश के साथ उसका अनुसरण करने को कहें। उन महापुरुषों के बारे में चर्चा करें जिन्होंने देश-समाज के लिए काफ़ी कुछ किया है। ऐसे शहीदों के नाम गिनवाएँ जिन्होंने देश की खातिर प्राणों की बाज़ी लगा दी थी। जीवन में कठिनाइयाँ आती रहती हैं, उनसे निराश होने की ज़रूरत नहीं है, यह समझाएँ। ऐसी संभावित कठिनाइयों का डटकर मुकाबला करने के लिए बच्चों को प्रेरित करें।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों** व **पहेलियों** के उत्तर देने का अवसर अधिक से अधिक बच्चों को मिले, यह अवश्य सुनिश्चित करें। अशुद्ध उत्तरों की दशा में अन्य बच्चों से शुद्ध उत्तर देने की अपेक्षा करें।
  - **पठित परिच्छेद** के अंतर्गत पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सटीक हों, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए।
  - **पाठ आधारित प्रश्नों** के उत्तर मूल पाठ में से ढूँढ़ने को कहें और यह सुनिश्चित करें कि वे उन प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।

- ❖ बच्चे प्राय: 'ब' एवं 'व' के उच्चारण में अंतर समझने में भूल कर बैठते हैं। उचित उच्चारण द्वारा उनका भूल सुधार करें। समानार्थी शब्दों के कुछ अन्य उदाहरण भी दिए जा सकते हैं।

- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - ❖ स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े कुछ महापुरुषों के बारे में बातचीत करें। उन्हें देशभक्ति के लिए प्रेरित भी करें।